छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
सिविल सेवा परीक्षा

CGPSC चयन प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम

CGPSC राज्य सेवा परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है। उम्मीदवारों को अंतिम चयन के लिए इन तीनों चरणों को उत्तीर्ण करना आवश्यक है। **परीक्षा के तीन चरण** निम्नलिखित हैं:

CGPSC प्रारंभिक परीक्षा (Prelims) – वस्तुनिष्ठ प्रकार

- प्रारंभिक परीक्षा में **2 अनिवार्य प्रश्न पत्र** शामिल होते हैं।

CGPSC मुख्य परीक्षा (Mains)

- मुख्य परीक्षा में **कुल 7 प्रश्न पत्र** होते हैं।

CGPSC साक्षात्कार (Interview/Personality Test)

- जो उम्मीदवार मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, उन्हें **साक्षात्कार** के लिए बुलाया जाता है।

CGPSC प्रारंभिक परीक्षा पैटर्न

प्रारंभिक परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्न पत्र होते हैं। दोनों में बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) पूछे जाते हैं। परीक्षा में **1/3 नकारात्मक अंकन (Negative Marking)** लागू होता है।

- परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की है।
- परीक्षा **ऑफलाइन मोड** में आयोजित की जाती है।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए समय **2 घंटे**।
- प्रत्येक गलत उत्तर पर **1/3 नकारात्मक अंकन**।
- सामान्य (Unreserved) वर्ग के लिए न्यूनतम योग्य अंक **33% (200 में से 66)**।
- आरक्षित वर्ग (OBC, SC, ST, PwD, EWS) के लिए न्यूनतम योग्य अंक **23% (200 में से 46)**।
    - **द्वितीय प्रश्न पत्र – पात्रता परीक्षा (Qualifying Nature)**
        - दूसरा प्रश्न पत्र केवल योग्यताधारी प्रकृति का है।
        - इसमें प्राप्त अंक मेरिट सूची में सम्मिलित नहीं किए जाते।
- मेरिट सूची **केवल प्रथम प्रश्न पत्र (General Studies)** में प्राप्त अंकों के आधार पर बनेगी।
- **दोनों प्रश्न पत्रों में उपस्थित होना अनिवार्य है।**
  किसी एक में अनुपस्थित होने पर उम्मीदवार मुख्य परीक्षा हेतु अयोग्य माना जाएगा।
- **प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प होंगे, जिनमें से एक सही उत्तर चुनना होगा।**

प्रश्न पत्र	विषय	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	समय	नकारात्मक अंकन	प्रकृति
Paper-I	सामान्य अध्ययन (General Studies)	100	200	2 घंटे	प्रत्येक गलत उत्तर पर 1/3	**मेरिट में शामिल**
Paper-II	सामान्य योग्यता परीक्षा (CSAT)	100	200	2 घंटे	प्रत्येक गलत उत्तर पर 1/3	**केवल योग्यताधारी (Qualifying)**

निर्देश	विवरण
परीक्षा प्रकार	**वस्तुनिष्ठ (Objective – MCQ)**
माध्यम	हिंदी एवं अंग्रेज़ी
न्यूनतम योग्यता (UR)	33% (200 में से 66)
न्यूनतम योग्यता (OBC/SC/ST/EWS/PwD)	23% (200 में से 46)
दोनों प्रश्न पत्र में उपस्थिति	अनिवार्य (किसी एक में अनुपस्थित ⟶ अयोग्य)
OMR शीट	अनिवार्य
गलत उत्तर	1/3 नकारात्मक अंकन

CGPSC मुख्य परीक्षा पैटर्न (Mains Exam Pattern)

प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को **मुख्य परीक्षा (Mains)** के लिए बुलाया जाता है। मुख्य परीक्षा में कुल **7 प्रश्न पत्र** होते हैं। संपूर्ण CGPSC मुख्य परीक्षा विवरण नीचे दिया गया है:

मुख्य परीक्षा की प्रमुख बातें

- मुख्य परीक्षा में कुल **7 प्रश्न पत्र** होते हैं।
- सभी प्रश्न पत्र **वर्णनात्मक (Descriptive)** होते हैं।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र **200 अंक** का होता है।
- प्रत्येक पत्र के लिए समय: **3 घंटे**
- भाषा पत्र को छोड़कर सभी पत्र **हिंदी या अंग्रेज़ी** में लिखे जा सकते हैं।
- सभी 7 प्रश्न पत्र अनिवार्य हैं।
- **उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के सभी सातों प्रश्नपत्रों में उपस्थित होना अनिवार्य है।**
  मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को **साक्षात्कार** के लिए बुलाया जाएगा।
- **अंतिम चयन के लिए साक्षात्कार में उपस्थित होना अनिवार्य है।**
- **मुख्य परीक्षा के किसी भी प्रश्नपत्र या साक्षात्कार में अनुपस्थित होने पर उम्मीदवार को परीक्षा प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा।**

लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को **साक्षात्कार** के लिए बुलाया जाएगा।

CGPSC मुख्य परीक्षा संरचना

प्रश्न पत्र	समय अवधि	अधिकतम अंक
प्रश्न पत्र I : भाषा	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र II : निबंध	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र III : सामान्य अध्ययन–I	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र IV : सामान्य अध्ययन–II	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र V : सामान्य अध्ययन–III	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र VI : सामान्य अध्ययन–IV	3 घंटे	200
प्रश्न पत्र VII : सामान्य अध्ययन–V	3 घंटे	200
कुल अंक	—	**1400**

साक्षात्कार (Interview / Personality Test)

मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को **साक्षात्कार** के लिए बुलाया जाता है।
यह चरण उम्मीदवार की—

- व्यक्तित्व क्षमता
- प्रशासनिक समझ
- निर्णय लेने की क्षमता
- संप्रेषण कौशल
  की जांच करता है। **साक्षात्कार कुल 100 अंकों** का होता है।

CGPSC मुख्य परीक्षा – प्रश्न पत्र-II : निबंध (हिंदी संस्करण)

भाग	विषय का फोकस	दिए गए विकल्प	लिखने योग्य निबंध	शब्द सीमा (प्रति निबंध)
भाग 1	अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे	चार (4) विकल्प	दो (2) निबंध	लगभग 750 शब्द
भाग 2	छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित मुद्दे	चार (4) विकल्प	दो (2) निबंध	लगभग 750 शब्द

CGPSC मुख्य परीक्षा (Paper III से Paper VII)

नीचे दिए अनुसार **Paper III से Paper VII का प्रश्न पैटर्न थोड़ा अलग** है और इसमें निम्न प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे:

सेक्शन	प्रश्न प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक	शब्द सीमा	टिप्पणी
01	अत्यंत लघु उत्तर	22 (सभी अनिवार्य)	2	44	30 शब्द	पाठ्यक्रम के सभी भागों से प्रश्न
02	लघु उत्तर	13 (सभी अनिवार्य)	4	52	60 शब्द	
03	मध्यम उत्तर	8 (सभी अनिवार्य)	8	64	100 शब्द	
04	दीर्घ उत्तर (भाग–2)	2 प्रश्न (1 हल करना है)	10	10	125 शब्द	विशेष रूप से **भाग–02** से प्रश्न
05	अत्यंत दीर्घ उत्तर (भाग–1 एवं 3)	2 (भाग–1) + 2 (भाग–3) = कुल 4 (2 हल करना)	15 (प्रति प्रश्न)	30	175 शब्द	1 प्रश्न **भाग–1** से, 1 प्रश्न **भाग–3** से हल करना अनिवार्य

कुल 50 प्रश्न (43 अनिवार्य + 7 वैकल्पिक) - 200 अंक

CGPSC साक्षात्कार (इंटरव्यू) परीक्षा पैटर्न

इंटरव्यू पैटर्न

- मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को **साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)** के लिए बुलाया जाता है।
- साक्षात्कार **100 अंकों** का होता है।
- चयनित अभ्यर्थियों की संख्या सामान्यतः **विज्ञापित पदों की कुल संख्या के तीन गुना (3x)** होती है (वर्गवार—General, SC, ST, OBC आदि)।
- यदि अंतिम चयनित उम्मीदवार के बराबर अंक किसी अन्य अभ्यर्थी के हों, तो उसे भी साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है।

साक्षात्कार (Personality Test) का उद्देश्य

साक्षात्कार में उम्मीदवार के—

- सामान्य बौद्धिक स्तर
- व्यक्तित्व
- समसामयिक घटनाओं की जागरूकता
- ईमानदारी एवं नैतिकता
- नेतृत्व क्षमता
- निर्णय लेने की क्षमता
- प्रशासनिक भूमिकाओं के प्रति उपयुक्तता
  का आकलन किया जाता है।

CGPSC अंतिम मेरिट सूची

- अंतिम मेरिट सूची **मुख्य परीक्षा (लिखित) के 1400 अंक + साक्षात्कार के 100 अंक = कुल 1500 अंक** के आधार पर तैयार की जाती है।

CGPSC प्रारंभिक परीक्षा – सामान्य अध्ययन

सामान्य जानकारी

- प्रश्न पत्र **हिंदी एवं अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं** में सेट होगा।
- कुल **100 प्रश्न | 200 अंक | समय 2 घंटे**।
- प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित है—
  - **Part A – भारतीय सामान्य अध्ययन (50 प्रश्न)**
  - **Part B – छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान (50 प्रश्न)**
- प्रत्येक प्रश्न **2 अंक** का होगा।
- प्रत्येक गलत उत्तर पर **1/3 नकारात्मक अंकन** लागू होगा।

CGPSC Prelims GS – संक्षिप्त पाठ्यक्रम तालिका

भाग	प्रश्नों की संख्या	अंक	संक्षिप्त पाठ्यक्रम
Part A **भारतीय सामान्य अध्ययन**	50	100	भारतीय दर्शन, इतिहास, अर्थव्यवस्था, भूगोल, राजनीति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समसामयिक घटनाएँ, खेल
Part B **छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान**	50	100	छत्तीसगढ़ का इतिहास, जनजातियाँ, संस्कृति, त्यौहार, जलवायु, भूगोल, अर्थव्यवस्था, कृषि, वन, पंचायती राज, उद्योग, खनिज, समसामयिक घटनाएँ

PART–A: भारतीय सामान्य अध्ययन – विस्तृत पाठ्यक्रम *(50 प्रश्न | 100 अंक)*

क्रमांक	विषय
1. **भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन**	प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय इतिहास; 1857 का विद्रोह; स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख चरण; महत्वपूर्ण क्रांतिकारी एवं राष्ट्रीय नेता; राष्ट्रीय आंदोलन की प्रमुख घटनाएँ एवं योगदान।
2. **भारत का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल**	हिमालय, पठार, मैदान, नदी तंत्र; जलवायु, मृदा, वनस्पति; जनसांख्यिकीय विशेषताएँ, जनगणना, शहरीकरण; आर्थिक क्रियाएँ—कृषि, उद्योग, परिवहन प्रणाली।
3. **भारतीय संविधान एवं शासन व्यवस्था**	संविधान का विकास, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, निर्देशात्मक सिद्धांत, मौलिक कर्तव्य; केंद्र एवं राज्य सरकार; संसद, न्यायपालिका; संवैधानिक निकाय; केंद्र–राज्य संबंध; प्रमुख संशोधन।

4. **भारतीय अर्थव्यवस्था**	राष्ट्रीय आय, पंचवर्षीय योजनाएँ, गरीबी, बेरोज़गारी, मुद्रास्फीति; राजकोषीय नीति—बजट, कर; मौद्रिक नीति—RBI के कार्य; सतत विकास; आर्थिक सुधार।
5. **सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**	भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान के मूल सिद्धांत; अंतरिक्ष विज्ञान, कंप्यूटर, AI, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, रक्षा तकनीक; दैनिक जीवन में विज्ञान का उपयोग।
6. **भारतीय दर्शन, कला, साहित्य एवं संस्कृति**	शास्त्रीय एवं लोक कला; संगीत, नृत्य (शास्त्रीय एवं लोक), रंगमंच; भारतीय दर्शन की प्रमुख धाराएँ—सांख्य, योग, वेदान्त; भारतीय साहित्य और सांस्कृतिक धरोहर।
7. **समसामयिक घटनाएँ एवं खेल**	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ; सरकारी योजनाएँ; सार्वजनिक नीति; प्रमुख पुरस्कार; अंतरराष्ट्रीय संबंध; प्रमुख खेल आयोजन एवं खिलाड़ी।
8. **पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी**	पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता, संरक्षण; जलवायु परिवर्तन; प्रदूषण; प्राकृतिक संसाधन संरक्षण; पर्यावरणीय कानून; सतत विकास।

PART-B : छत्तीसगढ़ सामान्य अध्ययन – विस्तृत पाठ्यक्रम *(50 प्रश्न | 100 अंक)*

क्रमांक	विषय
1. **छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं स्वतंत्रता संग्राम में योगदान**	प्राचीन इतिहास – प्रमुख राजवंश: नाला, शरभपुरी, कलचुरी; मराठा शासन और अंग्रेज़ शासन; 1857 का विद्रोह और इसके बाद के आंदोलन; छत्तीसगढ़ के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों तथा उनके योगदान का अध्ययन।
2. **भूगोल, जलवायु, भौतिक स्थिति, जनगणना, पुरातात्विक एवं पर्यटन केंद्र**	छत्तीसगढ़ के भौतिक विभाग, नदी तंत्र, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति; जनसंख्या एवं जनगणना से संबंधित तथ्य; पुरातात्विक स्थल, संग्रहालय, और प्रमुख पर्यटन स्थलों का अध्ययन।
3. **साहित्य, संगीत, नृत्य, कला एवं संस्कृति, मुहावरे–लोकोक्तियाँ, पहेली (जनऊला), हाना (गायन शैली)**	लोक साहित्य, प्रमुख साहित्यकार और उनकी रचनाएँ; लोक संगीत, लोक एवं जनजातीय नृत्य, कला शैलियाँ; स्थानीय भाषायी शब्दावली—जनऊला, हाना, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि का अध्ययन।
4. **छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ, विशेष परंपराएँ, तीज एवं त्यौहार**	प्रमुख जनजातियाँ (वितरण, उप-समूह, सामाजिक रीति-रिवाज), विशिष्ट परंपराएँ, अनुष्ठान, स्थानीय तीज–त्योहार; जनजातीय समाज का सामाजिक जीवन, संगठन और सांस्कृतिक महत्व।
5. **छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था, वन एवं कृषि**	छत्तीसगढ़ का आर्थिक सर्वेक्षण एवं बजट; वन—प्रकार, क्षेत्रफल, नीतियाँ, वन्यजीव अभयारण्य; कृषि—मुख्य फसलें, फसल चक्र, सिंचाई, कृषि आधारित सरकारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम।
6. **प्रशासनिक संरचना, स्थानीय शासन एवं पंचायती राज व्यवस्था**	राज्य सरकार की संरचना: कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका; पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम पंचायत–जनपद–जिला पंचायत की संरचना; नगरीय प्रशासन – नगर पालिका/नगर निगम की कार्यप्रणाली।
7. **छत्तीसगढ़ में उद्योग, ऊर्जा, जल एवं खनिज संसाधन**	औद्योगिक विकास, प्रमुख उद्योग; खनिज संसाधन – कोयला, लौह अयस्क आदि का वितरण; ऊर्जा क्षेत्र—विद्युत उत्पादन, ऊर्जा स्रोत; जल संसाधन—प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ।
8. **छत्तीसगढ़ की समसामयिक घटनाएँ**	राज्य सरकार की प्रमुख योजनाएँ, कल्याणकारी कार्यक्रम, आर्थिक–सामाजिक–सांस्कृतिक–राजनीतिक समसामयिक घटनाक्रम; प्रचलित विषय, राजकीय घोषणाएँ, बजट बिंदु, हाल की उपलब्धियाँ।

CGPSC प्रारंभिक परीक्षा: अभिक्षमता परीक्षा (Aptitude Test) – विस्तृत पाठ्यक्रम

(Paper-II | 100 प्रश्न | 200 अंक | 2 घंटे | केवल योग्यताधारी)

CGPSC प्रीलिम्स – पेपर 2 (Aptitude Test) विस्तृत पाठ्यक्रम तालिका

क्रमांक	विषय	विवरण
1	संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल	Interpersonal communication, expression, behavioral skill, interactive ability
2	तार्किक तर्क एवं विश्लेषणात्मक क्षमता	Logical reasoning, analytical thinking, verbal & non-verbal reasoning
3	निर्णय-निर्माण एवं समस्या-निवारण	Decision-making, problem-solving situations, situational analysis
4	सामान्य मानसिक योग्यता	Basic mental ability, cognitive reasoning, pattern recognition
5	मूल संख्यात्मक कार्य (कक्षा 10वी स्तर) एवं डेटा व्याख्या	प्रतिशत, औसत, अनुपात, ब्याज, तालिका/चार्ट/ग्राफ पढ़ना, डेटा पर्याप्तता
6	हिंदी भाषा ज्ञान (कक्षा 10वी स्तर)	व्याकरण, शब्द ज्ञान, मुहावरे, वाक्य संशोधन
7	छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान	शब्दावली, भाषा संरचना, मूलभूत व्याकरण, प्रयोग

महत्वपूर्ण सूचना

- **हिंदी भाषा ज्ञान** एवं **छत्तीसगढ़ी भाषा से संबंधित प्रश्न** *उसी भाषा में होंगे*, इनका **अनुवाद उपलब्ध नहीं होगा।**

क्रमांक	विषय
1. **अंतर्वैयक्तिक कौशल एवं संप्रेषण कौशल**	संवाद कौशल, व्यवहार कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता, टीम इंटरैक्शन।
2. **तार्किक विवेचन एवं विश्लेषणात्मक क्षमता**	Verbal & Non-verbal reasoning, Analogy, Classification, Series, Syllogism, Coding–Decoding।
3. **निर्णय लेने और समस्या समाधान**	निर्णय क्षमता, नैतिक एवं प्रशासनिक निर्णय, परिस्थिति विश्लेषण।
4. **सामान्य मानसिक क्षमता**	बौद्धिक क्षमता, गणितीय तर्क, Pattern recognition, Basic cognitive reasoning।
5. **मूलभूत संख्यात्मक योग्यता एवं डेटा व्याख्या**	गणित (कक्षा 10वीं स्तर) – प्रतिशत, अनुपात, औसत, सरल–चक्रवृद्धि ब्याज; डेटा इंटरप्रिटेशन – ग्राफ, चार्ट, तालिका, डेटा पर्याप्तता।
6. **हिंदी भाषा का ज्ञान**	व्याकरण, पर्यायवाची–विलोम, मुहावरे–लोकोक्तियाँ, वाक्य संशोधन।
7. **छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान**	बुनियादी शब्द, लोक-उपयोग, व्याकरणीय समझ, सामान्य शब्दावली।

CGPSC मुख्य परीक्षा – विस्तृत पाठ्यक्रम

(अंक : 1400 • 7 प्रश्नपत्र • वर्णनात्मक)

अंक : 200 | अवधि : 3 घंटे

भाग / Part	Marks Distribution	अंतर्गत विषय / Components Included
भाग–1 : सामान्य हिन्दी	**100 अंक**	गद्यांश–बोध, व्याकरण, अनुप्रयुक्त लेखन, अनुवाद, शासकीय लेखन, लघु एवं दीर्घ उत्तर
Part–2: General English	**50 Marks**	Precis Writing, Grammar, Vocabulary, Comprehension, Sentence Rearrangement & Correction
भाग–3 : छत्तीसगढ़ी भाषा	**50 अंक**	व्याकरण, साहित्य, भाषा–ज्ञान, भाषा–प्रयोग, लघु एवं दीर्घ उत्तर

प्रश्नपत्र – 01 : भाषा (Language Paper)

भाग	विस्तृत पाठ्यक्रम
भाग–1: सामान्य हिंदी	भाषा-बोध, निर्देशित लेखन, पर्यायवाची एवं विलोम शब्द, समोच्चारित शब्दों के अर्थ-भेद, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, संधि एवं संधि-विच्छेद, सामासिक पदरचना एवं समास-भेद, तत्सम–तद्भव शब्द, शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, उपसर्ग–प्रत्यय, मुहावरे–लोकोक्तियाँ (अर्थ एवं प्रयोग), रिपोर्ट लेखन। हिंदी साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन एवं नामकरण, छत्तीसगढ़ के साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ। अपठित गद्यांश, शब्द-युग्म, संवाद लेखन, विज्ञापन, पत्र, परिपत्र, टिप्पणी-लेखन, शासकीय/अर्ध-शासकीय पत्र, प्रतिवेदन, पत्रकारिता, अनुवाद (हिंदी–अंग्रेजी/अंग्रेजी–हिंदी)।
भाग–2: General English	Comprehension, Precis Writing, Rearrangement and Correction of Sentences, Synonyms, Antonyms, Filling in the Blanks, Correction of Spellings, Vocabulary and Usage, Idioms and Phrases, Tenses, Prepositions, Active & Passive Voice, Parts of Speech.
भाग–3: छत्तीसगढ़ी भाषा	छत्तीसगढ़ी भाषा का ज्ञान, विकास एवं इतिहास, साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकार; व्याकरण: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, वाक्य, अव्यय (क्रिया-विशेषण, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक); कारक, काल, लिंग, वचन; शब्द-रचना की विधियाँ (उपसर्ग, प्रत्यय); संधि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी), समास। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग; भाषा-विकास में समाचारपत्र, पुस्तकें, आकाशवाणी, सिनेमा की भूमिका; लोक-व्यवहार में छत्तीसगढ़ी; सामान्य परिचय—नामकरण, स्वरूप। क्रिया-रूप: वर्तमान, भूत, पूर्ण/अपूर्ण वर्तमान–भविष्य, 'लिखना' क्रिया के भूतकाल रूप, 'पढ़ना' क्रिया के भविष्यकाल रूप, पाद-टिप्पणी।

प्रश्नपत्र 02 (निबंध पत्र)

भाग / क्षेत्र	अंक वितरण	शामिल विषय / विवरण
भाग–1 : राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे / राष्ट्रीय समस्याएँ एवं थीम	लगभग 100 अंक	2 दीर्घ निबंध — राष्ट्रीय मुद्दों, राष्ट्रीय समस्याओं, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, राष्ट्रीय नीतियों एवं देश-स्तरीय विषयों पर आधारित।
भाग–2 : राज्य स्तरीय मुद्दे (छत्तीसगढ़) / क्षेत्रीय विषय	लगभग 100 अंक	2 दीर्घ निबंध — छत्तीसगढ़ से संबंधित राज्य स्तरीय समस्याएँ, क्षेत्रीय चुनौतियाँ, सामाजिक-आर्थिक मुद्दे और विकासात्मक विषयों पर आधारित।

पूर्ण पाठ्यक्रम + अंक-वितरण (हिन्दी)

भाग / सेक्शन	पूर्ण पाठ्यक्रम विवरण	अंक-वितरण
PART – 01	**अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे** — इस भाग से अभ्यर्थियों को **दो निबंध** लिखने होंगे। प्रत्येक निबंध में **कारण, वर्तमान स्थिति (आंकड़ों सहित)** तथा **समाधान / मार्गदर्शन (Way Forward)** का समावेश अनिवार्य होगा। कुल **चार विषय** दिए जाएंगे, जिनमें से किसी **दो विषयों पर लगभग 750–750 शब्दों में** निबंध लिखना होगा। *(4 Options)*	**2 निबंध × 50 अंक = 100 अंक**
PART – 02	**छत्तीसगढ़ राज्य स्तर के मुद्दे** — इस भाग से अभ्यर्थियों को **दो निबंध** लिखने होंगे। प्रत्येक निबंध में **कारण, वर्तमान स्थिति (आंकड़ों सहित)** तथा **समाधान / मार्गदर्शन (Way Forward)** शामिल होना चाहिए। कुल **चार विषय** दिए जाएंगे, जिनमें से किसी **दो विषयों पर लगभग 750–750 शब्दों में** निबंध लिखना होगा। *(4 Options)*	**2 निबंध × 50 अंक = 100 अंक**

CGPSC मुख्य परीक्षा – प्रश्नपत्र 03 (सामान्य अध्ययन – I)

भाग	अंक-वितरण	अंतर्गत विषय / प्रश्नों का प्रकार
भाग–1 : भारत का इतिहास	**75 अंक**	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न, विश्लेषणात्मक प्रश्न; प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारत; राष्ट्रीय आंदोलन; सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलन
भाग–2 : संविधान एवं लोक–प्रशासन	**50 अंक**	संवैधानिक अवधारणाएँ, शासन व्यवस्था, लोक प्रशासन के सिद्धांत, नीतिगत विश्लेषण, केंद्र–राज्य संबंध, प्रशासनिक सुधार
भाग–3 : छत्तीसगढ़ का इतिहास	**75 अंक**	क्षेत्रीय इतिहास, प्राचीन–मध्यकाल–आधुनिक छत्तीसगढ़, प्रमुख राजवंश, आदिवासी आंदोलन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, ब्रिटिश काल, छत्तीसगढ़ राज्य का गठन

भाग–1 : भारत का इतिहास

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
प्राचीन भारत	प्रागैतिहासिक काल, सिंधु सभ्यता, वैदिक सभ्यता, जैन धर्म और बौद्ध धर्म, मगध साम्राज्य, मौर्य राजनय व अर्थव्यवस्था, शुंग–सातवाहन काल, गुप्त साम्राज्य, गुप्त–वाकाटक काल में कला/विज्ञान, दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश
मध्यकालीन भारत	सुल्तनत काल, मुगल काल, विजयनगर राज्य, भक्ति आंदोलन, सूफीवाद, क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य का विकास, मराठों का उदय
आधुनिक भारत	यूरोपियों का आगमन, ब्रिटिश सत्ता स्थापित होने के कारण, ब्रिटिश विस्तार—युद्ध व कूटनीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, भूमि राजस्व प्रणालियाँ—स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी, हस्तशिल्प उद्योग का पतन, ईस्ट इंडिया कंपनी–रियासत संबंध, प्रशासनिक परिवर्तन, रेलों का विकास, औद्योगीकरण, संवैधानिक विकास
सामाजिक–धार्मिक सुधार	ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन
राष्ट्रीय आंदोलन	राष्ट्रवाद का उदय, 1857 की क्रांति, कांग्रेस की स्थापना, बंगाल विभाजन–स्वदेशी आंदोलन, साम्प्रदायिकता, क्रांतिकारी व होम रूल आंदोलन, गांधीवादी आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, मजदूर–किसान–आदिवासी आंदोलन, दलित सुधार, मुस्लिम सुधार व अलीगढ़ आंदोलन, आज़ाद हिंद फौज, स्वतंत्रता व विभाजन, रियासतों का विलय

भाग–2 : संविधान एवं लोक–प्रशासन

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
भारतीय संविधान	संवैधानिक विकास (1773–1950), संविधान निर्माण, मुख्य विशेषताएँ, प्रस्तावना, संविधान की प्रकृति, मौलिक अधिकार व कर्तव्य, राज्य नीति के निदेशक तत्व
शासन की संरचना	कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका; संवैधानिक उपचार; जनहित याचिका; न्यायिक सक्रियता; न्यायिक पुनर्विलोकन; महाधिवक्ता
संघ–राज्य संबंध	विधायी, प्रशासनिक व आर्थिक संबंध; अखिल भारतीय सेवाएँ; UPSC व SPSC
विशेष विषय	आपात उपबंध, संवैधानिक संशोधन, मूल ढाँचे का सिद्धांत
छत्तीसगढ़ शासन	कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका, छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक ढाँचा
लोक प्रशासन	अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति, महत्व; उदारीकरण के अधीन लोक प्रशासन व निजी प्रशासन; नवीन लोक प्रशासन; विकास प्रशासन; तुलनात्मक प्रशासन; प्रशासन के नए आयाम; राज्य बनाम बाज़ार; विधि का शासन
प्रशासनिक संगठन व प्रबंधन	संगठन सिद्धांत, नेतृत्व, नीति निर्माण, निर्णय निर्माण, समन्वय, योजना, संचार, पर्यवेक्षण, प्रेरणा
लोक प्रशासन में सुधार	प्रशासनिक सुधार, सुशासन, ई–गवर्नेंस, नौकरशाही, जिला प्रशासन
नियंत्रण तंत्र	संसद, वित्तीय नियंत्रण, न्यायिक व कार्यपालकीय नियंत्रण; लोकपाल व लोकायुक्त; सूचना का अधिकार; पंचायतें व नगरपालिकाएँ; शासन के रूप—संसदीय, राष्ट्रपति, एकात्मक, संघात्मक; शक्ति–विभाजन सिद्धांत

भाग–3 : छत्तीसगढ़ का इतिहास

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
प्रागैतिहासिक छत्तीसगढ़	प्रागैतिहासिक काल का अध्ययन
प्राचीन से मध्यकालीन छत्तीसगढ़	वैदिक युग से गुप्त काल तक का इतिहास; प्रमुख राजवंश—राजिम/रायपुर क्षेत्र के राजवंश, राजिश्रेष्ठी कुल, नल, शरभपुरीय, पांडु, सोमवंशी इत्यादि
कछार वंश एवं शासन	कछारु वंश का शासन, प्रशासन, संस्कृति
मराठा काल	मराठों के अधीन छत्तीसगढ़ की व्यवस्था
ब्रिटिश काल	ब्रिटिश संरक्षण–काल, पुरानी रियासतें और जमींदारी प्रणाली
1857 का प्रभाव	छत्तीसगढ़ में 1857 की प्रतिध्वनि
आधुनिक आंदोलन	स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़, मजदूर–किसान–जनजातीय आंदोलनों का इतिहास
नवीन छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण, समकालीन इतिहास

CGPSC मुख्य परीक्षा – पेपर 4 (सामान्य अध्ययन – II)
(200 अंक • 3 घंटे • वर्णनात्मक प्रश्नपत्र)

भाग	मुख्य विषय–केन्द्र (Primary Subject Focus)	अपेक्षित भारांक (Expected Weightage)
भाग–1	सामान्य विज्ञान (भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत)	**75 अंक**
भाग–2	योग्यता परीक्षण, तार्किक तर्कशक्ति एवं मानसिक क्षमता	**50 अंक**
भाग–3	अनुप्रयुक्त एवं व्यवहारिक विज्ञान (सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि एवं जैव–विविधता)	**75 अंक**

भाग–1 : सामान्य विज्ञान (General Science)

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
रसायन विज्ञान	रासायनिक अभिक्रिया की दर एवं रासायनिक साम्य, दर का प्राथमिक ज्ञान, तीव्र एवं मंद अभिक्रियाएँ; धातुएँ—आवर्त सारणी में स्थिति, सामान्य गुण; धातु, खनिज, अयस्क—अंतर; धातुकर्म—अयस्कों का सांद्रण, निस्तापन, भंजन, गलन, शोधन; ताँबा व लोहा धातुकर्म; मिश्र धातुएँ। अधातुएँ—स्थिति, सामान्य गुण; महत्वपूर्ण कार्बनिक यौगिक; पॉलीथीन, PVC, टेफ्लॉन; साबुन व डिटर्जेंट।
भौतिक विज्ञान	प्रकाश—स्वरूप, परावर्तन, नियम, समतल/वक्र दर्पणों से प्रतिबिंब; फोकस दूरी व वक्रता त्रिज्या; गैसों में विद्युत उत्सर्जन; सूर्य में ऊर्जा उत्पादन; विद्युत—धारिता, विभव, धारा, ओम का नियम, प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध, प्रभाव डालने वाले कारक; प्रतिरोधों का संयोजन; विद्युत धारा का ऊष्मीय प्रभाव; विद्युत शक्ति व ऊर्जा की गणना; सुरक्षा सावधानियाँ; प्रकाश–विद्युत प्रभाव; सोलर सेल; PN-जंक्शन व डायोड।
जीव विज्ञान	परिवहन—पौधों में जल/खनिज परिवहन, मानव में रक्त परिवहन; हृदय संरचना व क्रिया; प्रकाश–संश्लेषण—परिभाषा, प्रमुख चरण, प्रकाश व अंधकार अभिक्रिया; श्वसन—परिभाषा, प्रकार (वायवीय/अनावायवीय), मानव श्वसन तंत्र; पाचन तंत्र; नियंत्रण व समन्वय—मानव तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क/मेरुरज्जु, पौधों व प्राणियों में समन्वय, हार्मोन; जनन—अलैंगिक, लैंगिक, मानव जनन; पौधों के जनन अंग, परागण व निषेचन; अनुवांशिकी—गुणसूत्र, DNA, अनुवांशिकता का मूल आधार।

भाग–2 : योग्यता परीक्षण, तार्किक योग्यता एवं बुद्धिमत्ता परीक्षण

(Aptitude, Logical Reasoning & Mental Ability)

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
Arithmetic / संख्यात्मक क्षमता	परिमेय संख्याएँ—जोड़, घटाव, गुणा, भाग; दो परिमेय संख्याओं के बीच संख्या ज्ञात करना; अनुपात/समप्रमाण—योगानुपात, अंतरानुपात, एकांतरानुपात; बैंकिंग गणित—बचत/सावधि/आवर्ती जमा पर ब्याज; वेतनभोगी हेतु आयकर; LCM/HCF; वैदिक गणित—जोड़, घटाना, गुणा, भाग, बीजांक से उत्तर जाँच; वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल; विकुलम पद्धति।
Indian Mathematics Heritage	आर्यभट्ट, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य, श्रीनिवास रामानुजन्।
Statistics	चार्ट, ग्राफ, तालिकाएँ, डेटा व्याख्या; माध्य, माध्यिका, बहुलक; प्रायिकता—जोड़ व गुणा नियम; लाभ–हानि, प्रतिशत, ब्याज, औसत; समय–गति–दूरी।
Logical Reasoning	संबंधात्मक परीक्षण, विषम शब्द, अल्फ़ान्यूमेरिक सीरीज़, प्रतीकात्मक भाषा, दिशा परीक्षण, कथन–कारण, आरेख श्रृंखला, आकृति परीक्षण, खोए हुए शब्द/संख्या, सामान्य मानसिक योग्यता।

भाग–3 : एलाईड एवं व्यवहारिक विज्ञान (Allied & Applied Science)

विषय	पाठ्यक्रम विवरण
सूचना प्रौद्योगिकी (IT)	ग्रामीण भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका; कंप्यूटर—मूलभूत ज्ञान; संचार व प्रसारण में कंप्यूटर की भूमिका; आर्थिक वृद्धि हेतु सॉफ्टवेयर; आईटी के व्यापक उपयोग।
ऊर्जा संसाधन	ऊर्जा की मांग; नवीनीकृत/अनवीनीकृत ऊर्जा स्रोत; भारत में नाभिकीय ऊर्जा—विकास व उपयोग।
विज्ञान एवं तकनीकी विकास	भारत में विज्ञान/तकनीक का वर्तमान विकास; कृषि का उद्भव; कृषि विज्ञान में उन्नति; फसल विज्ञान; उर्वरक; कीट नियंत्रण; रोगों की जानकारी।
जैव विविधता एवं संरक्षण	परिभाषा, आनुवंशिक/प्रजातीय/पारिस्थितिकी तंत्रीय विविधता; भारत का जैव-भौगोलिक वर्गीकरण; महत्व—उत्पादक/विनाशकारी/सामाजिक/नैतिक; वैश्विक, राष्ट्रीय, स्थानीय विविधता; भारत—मेगाडायवर्स देश; हॉटस्पॉट्स; संकटग्रस्त/स्थानिक प्रजातियाँ।
पर्यावरण प्रदूषण	वायु, जल, समुद्री, मृदा, ध्वनि, तापीय, नाभिकीय प्रदूषण—कारण, प्रभाव, रोकथाम।
ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	नगरीय एवं औद्योगिक ठोस कचरे का प्रबंधन—कारण, प्रभाव, नियंत्रण।
पर्यावरण संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका	व्यक्तिगत स्तर पर संरक्षण उपाय।

CGPSC मुख्य परीक्षा – प्रश्नपत्र 05 (सामान्य अध्ययन – III)

(200 अंक • 3 घंटे)

भाग	विषय	कुल अंक (लगभग भारांक)
भाग 1	भारत एवं छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था	75 अंक
भाग 2	भारत का भूगोल	50 अंक
भाग 3	छत्तीसगढ़ का भूगोल	75 अंक
कुल	—	**200 अंक**

भाग / Section	सिलेबस
भाग–1 : भारत एवं छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था	1. राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय, भारतीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन (सकल घरेलू उत्पादन एवं कार्यशक्ति)। निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों की भूमिका में परिवर्तन एवं नवीनतम योजनाओं के कुल योजनागत व्यय में उनके हिस्से। आर्थिक सुधार, निर्धनता एवं बेरोजगारी की समस्याएँ, माप एवं उन्हें दूर करने के लिए किए गए उपाय। मौद्रिक नीति – भारतीय बैंकों एवं गैर–बैंकों वित्तीय संस्थानों के स्वरूप एवं उनमें 1990 के दशक से सुधार, रिज़र्व बैंक के साख का नियमन। सार्वजनिक राजस्व, सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक ऋण और राजकोषीय घाटा की संरचना और अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव। 2. **छत्तीसगढ़ के संदर्भ में :-** अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग का सामाजिक पिछड़ापन, साक्षरता एवं व्यवसायिक संरचना, आय एवं रोजगार के क्षेत्रीय वितरण में परिवर्तन, महिलाओं का सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण। बाल श्रम समस्या, ग्रामीण विकास। राज्य की वित्त एवं बजटीय नीति, कर संरचना, केन्द्रीय कर में हिस्सेदारी, राजस्व एवं पूंजी खाते में व्यय संरचना, योजना एवं गैर-योजनागत व्यय, सार्वजनिक ऋण की संरचना, आंतरिक एवं विदेशी ऋण सहित बाह्य ऋण। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण साख के संस्थागत एवं गैर–संस्थागत स्रोत। सहकारिता की संरचना एवं वृद्धि तथा कुल साख में उनके हिस्से, पर्याप्तता एवं समस्याएँ।
भाग–2 : भारत का भूगोल	**भारत की भौतिक विशेषताएँ :-** स्थिति एवं विस्तार, भूगर्भिक संरचना, भौतिक विभाग, अपवाह तंत्र, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति व वन का महत्व, भारतीय वन नीति, वन संरक्षण। मानवीय विशेषताएँ :- जनसंख्या – जनगणना, जनसंख्या वृद्धि, घनत्व व वितरण, जन्म दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, निवास, साक्षरता, व्यावसायिक संरचना, नगरीकरण। कृषि :- भारतीय कृषि की विशेषताएँ, कृषिगत फसलें – खाद्यान्न, दालें, तिलहन व अन्य फसलें उत्पादन व वितरण। सिंचाई के साधन व उनका महत्व, कृषि का आधुनिकीकरण, कृषि की समस्याएँ एवं निवारण। सिंचाई बहुउद्देशीय परियोजनाएँ। हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नीली क्रांति। खनिज संसाधन :- खनिज भंडार, खनिज उत्पादन एवं वितरण। ऊर्जा संसाधन :- कोयला, पेट्रोलियम, तापीय विद्युत शक्ति, परमाणु शक्ति, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोत। उद्योग :- भारत में उद्योगों का विकास एवं संरचना, बड़े, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग। कृषि, वन व खनिज आधारित उद्योग।
भाग–3 : छत्तीसगढ़ का भूगोल	**छत्तीसगढ़ की भौतिक विशेषताएँ :-** स्थिति एवं विस्तार, भूगर्भिक संरचना, भौतिक विभाग, अपवाह तंत्र, जलवायु, मिट्टी, वनस्पति व वन्य जीवन – वन का महत्व, वन्य जीवन संरक्षण – राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य, राज्य की वन नीति, वन संरक्षण। मानवीय विशेषताएँ :- जनसंख्या – जनसंख्या वृद्धि, घनत्व व वितरण, जन्म दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर, निवास, लिंगानुपात व आयु वर्ग, अनुसूचित जनजाति जनसंख्या, साक्षरता, पेशागत संरचना, नगरीकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम। कृषि :- कृषिगत फसलें – खाद्यान्न, दालें, तिलहन व अन्य फसलें – उत्पादन एवं वितरण। सिंचाई के साधन व उनका महत्व, महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएँ, कृषि की समस्याएँ तथा किसानों के उत्थान हेतु राज्य की योजनाएँ। खनिज संसाधन :- छत्तीसगढ़ में विभिन्न खनिजों के भंडार, खनिजों का उत्पादन एवं वितरण। ऊर्जा संसाधन :- कोयला, तापीय विद्युत शक्ति, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत। उद्योग :- छत्तीसगढ़ में उद्योगों का विकास एवं संरचना, बड़े, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग; कृषि, वन व खनिज आधारित उद्योग। परिवहन के साधन एवं पर्यटन।

भाग	मुख्य विषय	अंक
भाग 1	दर्शनशास्त्र एवं अनुप्रयुक्त नैतिकता	75 अंक
भाग 2	समाजशास्त्र	75 अंक
भाग 3	छत्तीसगढ़ के सामाजिक पहलू	50 अंक
कुल	**सामान्य अध्ययन – IV**	**200 अंक**

भाग	सिलेबस
भाग-1 : दर्शनशास्त्र	दर्शन का स्वरूप, धर्म एवं संस्कृति से उसका संबंध, भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन में अंतर, वेद एवं उपनिषद् – ब्रह्म, आत्मा, ऋत; गीता दर्शन – स्थितप्रज्ञ, स्वधर्म, कर्मयोग; चार्वाक दर्शन – ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, सुखवाद; जैन दर्शन – जीव का स्वरूप, अनेकांतवाद, स्यादवाद, पंचमहाव्रत; बौद्ध दर्शन – प्रतित्यसमुत्पाद, अष्टांग मार्ग, अनात्मवाद, क्षणिकवाद; सांख्य दर्शन – सत्त्वकार्यवाद, प्रकृति एवं पुरुष का स्वरूप, विकासवाद; योग दर्शन – अष्टांग योग; न्याय दर्शन – प्रमाण, अप्रमा, असत्त्वकार्यवाद; वैशेषिक दर्शन – परमाणुवाद; मीमांसा दर्शन – धर्म, अपूर्व का सिद्धांत; अद्वैत वेदान्त – ब्रह्म, माया, जगत्, मोक्ष; कौटिल्य – सप्तांग सिद्धांत, मंडल सिद्धांत; गुरु नानक – सामाजिक नैतिक चिंतन; गुरु घासीदास – सतनाम पंथ की विशेषताएँ; वल्लभाचार्य – पुष्टिमार्ग; स्वामी विवेकानंद – व्यवहारिक वेदान्त, सार्वभौम धर्म; श्री अरविंद – समन्वय योग, अति-मानस; महात्मा गांधी – अहिंसा, सत्याग्रह, एकादश व्रत; भीमराव अंबेडकर – सामाजिक चिंतन; दीनदयाल उपाध्याय – एकात्म मानव दर्शन; प्लेटो – सद्गुण; अरस्तू – कारणता सिद्धांत; सेंट ऐन्सेल्म – ईश्वर सिद्धि हेतु संतामूलक तर्क; डेसकार्ट्स – संदेह पद्धति, "मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ"; स्पिनोजा – पदार्थ, सर्वेश्वरवाद; लाइब्निज – मोनाडवाद, पूर्वस्थापित सामंजस्य का सिद्धांत; लॉक – ज्ञानमीमांसा; बर्कले – सत्ता अनुभवमूलक है; ह्यूम – संदेहवाद; कांट – समीक्षावाद; हेगेल – बोध एवं सत्ता, द्वंदात्मक आदर्शवाद; ब्रेडले – आदर्शवाद; मूर – वस्तुवाद; ए. जे. एयर – सत्यापन सिद्धांत; जॉन ड्यूवी – व्यवहारवाद; सार्त्र – अस्तित्ववाद; धर्म का अभिप्राय, धर्मदर्शन का स्वरूप, धार्मिक सहिष्णुता, पंथनिरपेक्षता, अशुभ की समस्या, नैतिक मूल्य एवं नैतिक दुविधा, प्रशासन में नैतिक तत्व – सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता, लोक सेवकों हेतु आचरण संहिता, भ्रष्टाचार – अर्थ, प्रकार, कारण एवं प्रभाव, भ्रष्टाचार दूर करने के उपाय, व्हिसल-ब्लोअर की व्यावहारिकता।
भाग-2 : समाजशास्त्र	अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति, अध्ययन का महत्व, अन्य विज्ञानों से संबंध; प्राथमिक अवधारणाएँ – समाज, समुदाय, समिति, संस्था, सामाजिक समूह, जनरूढ़ियाँ एवं लोकोक्तियाँ; व्यक्ति एवं समाज – सामाजिक अंतःक्रियाएँ, स्थिति एवं भूमिका, संस्कृति एवं व्यक्तित्व, समाजीकरण; हिन्दू सामाजिक संगठन – धर्म, आश्रम, वर्ण, पुरुषार्थ; सामाजिक स्तरीकरण – जाति एवं वर्ग; सामाजिक प्रक्रियाएँ – सामाजिक अंतःक्रिया, सहयोग, संघर्ष, प्रतिस्पर्धा; सामाजिक नियंत्रण एवं सामाजिक परिवर्तन – साधन एवं अभिकरण, परिवर्तन की प्रक्रियाएँ एवं कारक; भारतीय सामाजिक समस्याएँ – सामाजिक विघटन, नियमहीनता, अलगाव, विषमता; सामाजिक शोध एवं विधियाँ – सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य, सामाजिक घटनाओं के अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग, वस्तुनिष्ठता की समस्या, तथ्यों के संकलन की विधियाँ एवं उपकरण – अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची।
भाग-3 : छत्तीसगढ़ का सामाजिक परिचय	जनजातीय सामाजिक संगठन, विवाह, परिवार, गोत्र, युवा समूह; जनजातीय विकास – इतिहास, कार्यक्रम व नीतियाँ – संवैधानिक व्यवस्थाएँ; छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियाँ, अन्य जनजातियाँ, अनुसूचित जातियाँ एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियाँ; छत्तीसगढ़ के जनजातियों में प्रचलित मुख्य आभूषण एवं विशेष परंपराएँ; जनजातीय समस्याएँ – पृथक्करण, विस्थापन और परसंस्कृतिकरण; छत्तीसगढ़ की लोककला, लोकसाहित्य एवं प्रमुख लोक कलाकार; छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, जनऊला, कहावतें, लोकोक्तियाँ; छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्य, संगीत एवं ललित कला के क्षेत्र में स्थापित संस्थाएँ; विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा स्थापित सम्मान एवं पुरस्कार; छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति; राज्य के प्रमुख मेले तथा पर्व-त्यौहार; राज्य के पुरातात्त्विक संरक्षित स्मारक एवं स्थल तथा उत्खनित स्थल; छ.ग. शासन द्वारा चिह्नांकित पर्यटन स्थल; राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और बस्तर के जलप्रपात एवं गुफाएँ; छत्तीसगढ़ के प्रमुख संत।

CGPSC मुख्य परीक्षा – प्रश्नपत्र 07 (सामान्य अध्ययन – V)
(200 अंक • 3 घंटे)

भाग	मुख्य विषय	अंक (लगभग भारांक)
भाग 1	कल्याणकारी, विकासात्मक कार्यक्रम एवं कानून	75 अंक (लगभग)
भाग 2	अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेल, आयोजन एवं संगठन	75 अंक (लगभग)
भाग 3	अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएँ एवं मानव विकास	50 अंक (लगभग)
कुल	**सामान्य अध्ययन – V**	**200 अंक**

भाग	सिलेबस
भाग–1 : कल्याणकारी, विकासात्मक कार्यक्रम एवं कानून	1. **सामाजिक एवं महत्वपूर्ण विधान** :- भारतीय समाज, सामाजिक बदलाव के एक साधन के रूप में सामाजिक विधान, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, भारतीय संविधान एवं आपराधिक विधि (दंड प्रक्रिया संहिता) के अंतर्गत महिलाओं को दिया गया संरक्षण (CRPC), घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम 2005, सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989, सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988। 2. **छ.ग. के संदर्भ में** :- छत्तीसगढ़ में प्रचलित विभिन्न नियम/अधिनियम एवं उनके छत्तीसगढ़ के निवासियों पर कल्याणकारी एवं विकासात्मक प्रभाव। 3. **छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाएँ** :- छ.ग. शासन द्वारा समय-समय पर प्रचलित कल्याणकारी, जनोपयोगी एवं महत्वपूर्ण योजनाएँ।
भाग–2 : अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय – खेल, घटनाएँ एवं संगठन	संयुक्त राष्ट्र एवं उसके सहयोगी संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं एशियाई बैंक, सार्क, आसियान, अन्य उपक्षेत्रीय एवं क्षेत्रीय समूह, विश्व व्यापार संगठन एवं भारत पर इसके प्रभाव, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल एवं प्रतियोगिताएँ।
भाग–3 : अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाएं एवं मानव विकास में उनका योगदान	कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, भारत में मानव संसाधन की नियोजनीयता एवं उत्पादकता, रोजगार के विभिन्न चलन (ट्रेंड्स), मानव संसाधन विकास में विभिन्न संस्थाओं, परिषदों जैसे – उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय आयोग, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, राष्ट्रीय शैक्षणिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय शिक्षा शिक्षक परिषद, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा परिषद, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंध संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पॉलीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि की भूमिक मानव संसाधन विकास में शिक्षा – एक साधन, सार्वभौमिक/समान प्रारंभिक शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता, बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित मुद्दे, वंचित वर्ग, निशक्त जन से संबंधित मुद्दे।

पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (महीने)	शामिल सुविधाएँ
UPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (1 वर्ष)	12 + 6 माह	टेस्ट सीरीज़, लाइब्रेरी सुविधा, 10 पुस्तकें
UPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (2 वर्ष)	24 माह	उपरोक्त सभी + NCERT फाउंडेशन
UPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (3 वर्ष)	36 माह	उपरोक्त सभी + NCERT फाउंडेशन + चयन तक एक्सेस
CGPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (1 वर्ष)	12 + 3 माह	टेस्ट सीरीज़, लाइब्रेरी सुविधा, 10 पुस्तकें
CGPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (2 वर्ष)	24 माह	उपरोक्त सभी + NCERT फाउंडेशन
CGPSC इंटीग्रेटेड कोर्स (3 वर्ष)	36 माह	उपरोक्त सभी
CGPSC क्रैश कोर्स	3 माह	ऑफलाइन + लाइव क्लास + रिकॉर्डेड
CGPSC प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़	3 माह	18 टेस्ट
UPSC प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज़	6 माह	40 टेस्ट
UPSC + CGPSC कॉम्बो कोर्स	36 माह	NCERT + UPSC + CGPSC
NCERT फाउंडेशन कोर्स	8 माह	NCERT टेस्ट सीरीज़
CSAT स्पेशल बैच	3 माह	साप्ताहिक टेस्ट शामिल
निबंध लेखन कार्यक्रम	2 माह	दोनों प्रकार के निबंध
ऑप्शनल विषय (PSIR / Sociology / Geography)	6–8 माह	उत्तर लेखन सहित
इंटरव्यू गाइडेंस प्रोग्राम	1 माह	मॉक इंटरव्यू + रिकॉर्डिंग
डेली आंसर राइटिंग प्रोग्राम	5 माह (मासिक)	दैनिक उत्तर लेखन अभ्यास
करेंट अफेयर्स स्पेशल प्रोग्राम	6 माह	मासिक मैगज़ीन
रिकॉर्डेड लेक्चर्स	1 वर्ष	सभी पाठ्यक्रमों के लिए
स्टडी मटेरियल	16 पुस्तकें	11 (Pre + Mains) + 5 NCERT कंपाइलेशन

प्लेटफ़ॉर्म	**लिंक**
टेलीग्राम – GEO IAS	https://t.me/geoiasnew
टेलीग्राम – GEO IAS (CGPSC)	https://t.me/geoiashindi
यूट्यूब – GEO IAS	https://youtube.com/@geoiasupsc?si=ohVN3aI4Osv1qU6o
यूट्यूब – GEO IAS (CGPSC)	https://youtube.com/@geoiascgpsc?si=t6jinFwagz-yTybL
इंस्टाग्राम – GEO IAS Raipur	https://www.instagram.com/geoias.raipur?igsh=YXhtdjluZWJlZnFx
वेबसाइट	www.geoias.com

GEO IAS (TECH TAUGHT ACADEMY LLP) info@geoias.com
Head Office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009
Branch Raipur: First Floor, Sapphire Tower 2, Main Rd, opp. SBI ATM, New Rajendra Nagar, Raipur, Tikrapara, Chhattisgarh 492001